भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1212
गुरुवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)

देश में महिलाओं के लिए रोज़गार

1212. श्रीमती रेणुका चौधरी:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि अधीनस्थ आधार (अवैतनिक) पर काम करने वाली महिलाओं का अनुपात वर्ष 2018-19 में 15.6 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 27.7 प्रतिशत हो गया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कृषि में कार्यरत ग्रामीण महिलाओं का अनुपात 71.1 प्रतिशत से बढ़कर 76.2 प्रतिशत हो गया है तथा ग्रामीण महिलाओं में स्वरोजगार 67.8 प्रतिशत से बढ़कर 78.1 प्रतिशत हो गया है, जिससे वास्तविक सवैतनिक नौकरियों में वृद्धि के बजाय रोजगार संख्या में वृद्धि हुई है; और

(ग) क्या वित्त वर्ष 2024 में संभार, आतिथ्य, कारोबार सेवाओं और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में कुल रोजगार में कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से निष्पादित किए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इस सर्वेक्षण की अवधि, प्रति वर्ष जुलाई से जून तक होती है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं के लिए रोजगार को दर्शाने वाला अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) वर्ष 2017-18 में 22.0% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 40.3% हो गया है। इसी अवधि के दौरान, ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं की अनुमानित कामगार जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) वर्ष 2017-18 में 23.7% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 46.5% हो गई। इसके साथ-साथ, ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य स्थिति के आधार पर 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं की महिला श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) वर्ष 2017-18 में 24.6% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 47.6% हो गई।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के नवीनतम केएलईएमस (के: पूंजी, एल: श्रम, ई: ऊर्जा, एम: सामग्री और एस: सेवाएँ) के आंकड़ों के अनुसार, देश में रोजगार 2017-18 में 47.5 करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 में बढ़कर 64.33 करोड़ हो गया। 2017-18 से 2023-24 के दौरान रोजगार में कुल वृद्धि लगभग 16.83 करोड़ है। 2017-18 से 2022-23 के दौरान लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य और व्यावसायिक सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र में रोजगार में कुल वृद्धि लगभग 4.03 करोड़ है और 2017-18 से 2022-23 के दौरान वस्त्र सहित विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार में कुल वृद्धि लगभग 0.9 करोड़ है।

*****